

P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI

Internal Examination

M. A. Semester - I

[Mark : 40

8-10-2015]

Sanskrit - 104

[8-30 to 10-00

(1) अलंकारशास्त्र - दशरूपकम् - 1, 3

1. नीचेनी कारिकाओ अनुवाद सहित समजावो. (गमे ते त्रय) 14

- (1) अवस्थानुकृतिर्नाट्यं रूपं दृश्यत योच्यते ।
रूपकं तत्समारोपात् दशधैव रसाश्रयत् ॥
- (2) मुखप्रतिमुखे गर्भः सावमशोपसंहतिः ।
मुखं बीजसमुत्पत्तिर्नार्थरससम्भवा ॥
- (3) प्रस्तुतागन्तुभावस्य वस्तुनोऽन्योक्तिसूचकम् ।
पताकास्थानकं तुल्यसंविधान विशेषणम् ॥
- (4) रंग ध्रसाद्य मधुरैः श्लोकैः काव्यार्थसूचकैः
ऋतु कंचिदुपादाय भारतीवृत्तिमाश्रयेत् ॥
- (5) प्रख्यातो धीरललिता श्रुङ्गारोडङ्गी सलक्षणः ।
स्त्रीप्रायचतुरङ्गादिभेदकं यदि चेष्यते ॥

2. पंचसंधि विचार दशरूपकने आधारे समजावो.

अथवा

14

दूकनोंध लणो. (गमे ते दो)

- (1) आचार्य धनंभ्यन जवन
- (2) कथावस्तुना प्रकार
- (3) दशरूपकनो मंगलश्लोक
- (4) पांच अर्थोपक्षेपको

3. नीचेनामांथी कोर्धपण छ प्रश्नोना दो-त्रय वाक्योमां जवाब आपो.

12

- (1) रूपकना केटला प्रकार छे ? क्या क्या ?
- (2) दशरूपकना प्रथम अने त्रीज प्रकाशमां मुख्य कर्ध बाबतोनी यर्था छे ?
- (3) नृत्य अने नृत्त वख्येनो भेद जशावो.
- (4) अर्थप्रकृतिओ केटली छे ? कर्ध कर्ध ?
- (5) कार्धनी अवरस्थाओ केटली छे ? कर्ध कर्ध ?
- (6) संधिना कुल केटला अंगो छे. क्या क्या ?
- (7) भारती वृत्तिकोने कडेवामां आवे छे ?
- (8) दशरूपकना टीकाकार अने तेमनी टीकानुं नाम जशावो.